जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 17 | संख्याः 325 | प्रभात | चूरू, बुधवार 25 मार्च, 2026 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

अमेरिका व ईरान के बीच मैसेज का आदान-प्रदान कैसे हो रहा है?

संकेत हैं कि मिस्र, पाकिस्तान व खाड़ी देश, संदेशों के आदान-प्रदान में बिचौलिए का काम कर रहे हैं

- पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने टर्की के विदेश मंत्री से सोमवार को बातचीत की। इसी प्रकार मिस्र के विदेश मंत्री ने भी पाकिस्तान के विदेश मंत्री से वार्ता की।
- पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने ट्रंप से रविवार को बातचीत की तथा पाकिस्तान के प्र.मंत्री शहबाज़ शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन से बात की तथा दोनों ग्रुप के बीच बिचौलिए की भूमिका निभाने का प्रस्ताव दिया तथा बातचीत पाकिस्तान में आयोजित करने का सुझाव भी दिया।

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। मध्य-पूर्व में अपने सहयोगी देशों के बीच चल रहे युद्ध के बीच संतुलन बनाकर चल रहा पाकिस्तान अब ईरान और उसके विरोधियों, अमेरिका और इज़रायल, के बीच शांति स्थापित करने के लिए खुद को प्रमुख मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, इसके लिए इस्लामाबाद अपने सेना प्रमुख के तेहरान से संबंधों और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ अच्छे रिश्तों का इस्तेमाल कर रहा है।

अब तक पाकिस्तान ने ईरान पर हुए हमलों की निंदा करते हुए, साथ ही तनाव कम करने की अपील करके, एक सतर्क कूटनीति अपनाई है। लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, अब पाकिस्तान ने ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और ईरान के बीच बातचीत के लिए इस्लामाबाद को एक संभावित स्थान के तौर पर पेश किया है, और बातचीत इसी हफ्ते हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने रविवार को राष्ट्रपति ट्रंप से बात की, जबकि प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज़ शरीफ ने सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन से बातचीत की। शरीफ और पेज़ेश्कियन के बीच यह बातचीत उसी समय हुई, जब ट्रंप ने ईरान के पावर प्लांट्स को पूरी तरह नष्ट करने की अपनी धमकी को टालने की घोषणा की।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि उन्होंने युद्ध खत्म करने के लिए तेहरान के साथ बहुत अच्छी और सकारात्मक बातचीत के बाद अपनी धमकी को रोक दिया। हालांकि ईरान ने इस दावे को खारिज कर दिया। लेकिन तेहरान ने यह माना कि कुछ क्षेत्रीय देश मध्यस्थता की कोशिशों में शामिल हैं।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने सरकारी मीडिया आईआरएनए से कहा, "पिछले कुछ दिनों में कुछ मित्र देशों के माध्यम से संदेश मिले, जिनमें युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका की बातचीत की इच्छा जताई गई थी। इन पहलों का जवाब देश की मूल नीतियों के अनुसार दिया गया है।" प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य की स्थिति और युद्ध समाप्त करने की शर्तों को लेकर ईरान के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।

ईरान की संसद के स्पीकर एम.बी. ग़ालिबाफ़ ने भी कहा कि अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने कहा, "फर्जी खबरों का इस्तेमाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने मोदी से फोन पर बात की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। पश्चिम एशिया संकट को समाप्त करने के लिए अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच संभावित वार्ता की खबरों के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मंगलवार शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की।

- भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जिओ गोर ने एक्स पर यह जानकारी दी और कहा, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट पर बात की।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जिओ गोर ने एक्स पर कहा कि दोनों नेताओं ने "मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज़ स्ट्रेट को खुला रखने के महत्व" पर भी बात हुई।

ट्रंप-मोदी की यह बातचीत उस बयान के एक दिन बाद हुई है, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि "मिडिल ईस्ट में शत्रुता को पूरी तरह खत्म करने के लिए बहुत अच्छी और सकारात्मक बातचीत" चल रही है।

गोर की एक्स पोस्ट से कुछ घंटों पहले, ब्रिटेन के अखबार "फायनेंशियल टाइम्स" ने दावा किया कि पाकिस्तान अमेरिका-इज़रायल-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर आईजी पर भूमाफिया के सहयोगी होने का आरोप

कोर्ट के आदेश पर पीड़ित गोपाललाल भील ने सुखेर थाने में आईजी गौरव श्रीवास्तव सहित कई अन्य पुलिस अफसरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई

- आरोप है कि पीड़ित द्वारा 2.09 करोड़ रुपए में खरीदी गई जमीन को हेमंत शर्मा नाम के व्यक्ति को दिलाने के लिए पुलिस ने गोपाललाल को बंधक बनाया और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर "एग्रीमैंट" बनवाकर रजिस्ट्री करवा ली।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 24 मार्च। उदयपुर पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) गौरव श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक राजेश यादव, सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण, हैडकांस्टेबल नीतेश मेनारिया और कांस्टेबल सुमेर झाकड़ समेत, अन्य पुलिसकर्मियों पर आरोप है कि उन्होंने भूमाफियाओं को ज़मीन कब्जा करवाई। पीड़ित गोपाललाल भील ने एससी-एसटी कोर्ट के इस्तगासे पर सुखेर थाने में मामला दर्ज करवाया है। उसका कहना है कि पुलिस के इन तमाम अधिकारियों ने 2.09 करोड़ रुपए में उसके द्वारा खरीदी हुई ज़मीन को जबरन बंधक बनाकर हेमंत शर्मा नाम के व्यक्ति के डमी खरीददार गुमानाराम के नाम पर रजिस्ट्री तक करवा दी।

गोपाललाल का कहना है कि उसने 0.10 रकबा भूमि 15 अक्टूबर 2025 को खातेदार कुकीबाई, चम्पाराम, नाबालिग पूनिया कुमारी की संरक्षक कुकी बाई से 2.09 करोड़ रुपए में खरीदी थी। जब वह इस ज़मीन पर कब्जा लेने और वहां साफ-सफाई के लिए जेसीबी मशीन लेकर पहुंचा तो आरोपी हेमंत शर्मा, सतीश जांगिड़, इरफान, कुलदीप पालीवाल, दिनेश सोनी और बृज कुमावत ने मौके पर आकर जातिसूचक शब्दों के साथ गाली-गालौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी। सूचना पर सुखेर थाना पुलिस मौके पहुंची, लेकिन भूमाफियाओं पर कार्रवाई के बजाय, उसके परिचित अनवर, कालू, जसवंत और अफरोज़ को ही पुलिस जीप में बैठाकर थाने ले गई।

गोपाललाल का शिकायत में कहना है कि, उसने अपनी ज़मीन खरीद के कागजात भी सुखेर थानाधिकारी को दिखाए, लेकिन उन्होंने कागजातों को उचित मानने के बजाय, उसके सहयोगियों अनवर, कालू, जसवंत और अफरोज़ को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट से जमानत पर रिहाई के बाद भूमाफियाओं ने गोपाललाल भील को जान से मारने की धमकी तक दे डाली। उन्होंने उसे राजनैतिक पहुंच और ऊंची रसूख की धमकी भी दी। एफ.आई.आर. में कहा गया है कि आरोपी हेमंत शर्मा ने धमकाते हुए कहा कि ऐसे झूठे मुकदमों में फंसाएंगे कि जिंदगी भर जेल में रहोगे।

एफ.आई.आर. में गोपाललाल भील ने कहा है कि सुखेर थाना पुलिस ने इस ज़मीन के पूर्व खातेदारों कुकीबाई, चम्पाराम, नाबालिग पूनिया कुमारी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'धनखड़ के ईस्तीफे का असली कारण है ईडी फाइल्स'

शिव सेना सांसद संजय राउत ने अपनी किताब "अनलाइकली पैरडाइज़" में दावा किया

- राउत ने लिखा है कि धनखड़ को ईडी की धमकी देकर ईस्तीफे के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि धनखड़ के स्वतंत्र फैसले एनडीए सरकार को रास नहीं आ रहे थे।
- राउत की किताब मूलतः मराठी में है और मंगलवार को इसके अंग्रेजी संस्करण का विमोचन हुआ। कार्यक्रम में कपिल सिब्बल, आप प्रमुख अरविन्द केजरीवाल तथा तृणमूल सांसद डैरेक ओ ब्रायन मौजूद थे।
- पुस्तक में राउत ने कहा है कि अफवाह थी कि धनखड़ व उनकी पत्नी ने अपना जयपुर स्थित घर बेचा था और इससे प्राप्त कुछ राशि विदेश भेजी थी। ईडी उन पर नज़र रखे हुए थी तथा उनकी फाइल तैयार कर रही थी।
- जब धनखड़ के स्वतंत्र फैसलों पर भाजपा में असंतोष फैला तो ईडी की फाइल के जरिए उनसे ईस्तीफा लिया गया, हालांकि कहा गया कि उन्होंने बीमारी के कारण ईस्तीफा दिया, पर, हाल ही में धनखड़ ने खुद इसका खंडन किया और कहा, मैंने सिर्फ ये कहा था, मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रहा हूँ, सभी को यह करना चाहिए।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने अपनी किताब के अपडेटेड संस्करण में दावा किया है कि जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार ने एन्फोर्समैंट डायरेक्ट्रेट (ईडी) और अन्य केन्द्रीय जाँच एजेंसियों के जरिए दबाव डाला था।

धनखड़ ने पिछले साल जुलाई में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा दे दिया था, लेकिन इस मुद्दे पर उन्होंने ज्यादातर चुप्पी साधे रखी। हाल ही में उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा नहीं दिया था। धनखड़ ने पिछले महीने चुरू के सादुलपुर कस्बे में कहा था, "मैंने सिर्फ इतना कहा था कि मैं अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रहा हूं, जो हर किसी को देनी चाहिए।" अपनी किताब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के चाचा रामचरण लाल का निधन

जयपुर, 23 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के चाचाजी रामचरण लाल शर्मा का मंगलवार को निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और मानसरोवर स्थित अमर हॉस्पिटल में उनका उपचार चल रहा था।

- वे मानसरोवर स्थित अमर अस्पताल में भर्ती थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मानसरोवर अस्पताल में अपने चाचाजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने परिवारजनों को ढ ाढ स बंधाया और दुख की इस घड़ी में हिम्मत बनाए रखने की बात कही। परिजनों और नजदीकी लोगों के साथ मुख्यमंत्री कुछ समय तक अस्पताल में रहे और सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री के इस दौरे के दौरान प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

'भाजपा आई तो बंगाल में मछली पर बैन लगा देगी'

तृणमूल के इस नैरेटिव को झुठलाने के लिए घर-घर मछली बांट रहे हैं भाजपा प्रत्याशी

- मछली और भात बंगाल के खान-पान का ही नहीं, बल्कि संस्कृति का अहम हिस्सा है और तृणमूल कांग्रेस भाजपा द्वारा शाकाहार भोजन पर जोर देने को मुद्दा बना रही है। ममता बनर्जी का आरोप है कि भाजपा बाहरी पार्टी है और बंगालियों की खान-पान की आदतों को बदल देगी।
- इसी क्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा का बयान भी उछाला जा रहा है, जिन्होंने कहा था कि राज्य में मांस-मछली की खुली बिक्री पर रोक लगाई जाएगी।
- तृणमूल का आरोप है कि जहाँ भी भाजपा की सरकारें हैं, वहाँ विभिन्न प्रकार के मीट, जैसे बीफ आदि पर रोक लगाई जाती है।
- भाजपा के लिए तृणमूल के इस नैरेटिव को झुठलाना मुश्किल हो रहा है। भाजपा पूरे जतन कर रही है, इससे पार पाने के लिए। भाजपा प्रत्याशी न केवल खुले आम मछली खाते दिख रहे हैं, बल्कि वे घर-घर मछली बांट भी रहे हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। "माछे भाते बंगाली" यह सदियों पुरानी कहावत मोटे तौर पर यह बताती है कि मछली और चावल बंगाली पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। ऐसे में यह साफ है कि आगामी विधानसभा चुनाव सिर्फ सड़कों पर ही नहीं, बल्कि बंगालियों की थाली पर भी लड़ा जाएगा।

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस "शाकाहार" के मुद्दे को उछालकर भाजपा को एक बाहरी ताकत के रूप में पेश कर रही है, जो सत्ता में आने पर बंगालियों की खान-पान की आदतों में दखल देगी। दूसरी ओर, भाजपा उम्मीदवार इंटरव्यू में मछली का आनंद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं, यहां तक कि एक उम्मीदवार घर-घर प्रचार के दौरान "कतला मछली", जो बंगाली घरों का एक प्रमुख भोजन है, साथ लेकर जा रहा है।

चुनावी मौसम में भाजपा द्वारा मछली के प्रति सार्वजनिक आकर्षण के इस प्रदर्शन का उद्देश्य साफ तौर पर तृणमूल के नैरेटिव का जवाब देना है। भाजपा जानती है कि बंगाली मतदाता अपनी संस्कृति और खान-पान के प्रति बेहद संवेदनशील है और "बाहरी" होने की छवि उसकी चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ग्रेजुएट जवानों को प्रमोशन देगी सेना

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। सैन्य-नेतृत्व को प्रभावित कर रही लगभग 8,000 अधिकारियों की कमी को देखते हुए, भारतीय सेना ने ग्रेजुएट जवानों को 18 महीने के भीतर अधिकारी बनाने का फैसला किया है।

- सेना 8,000 अफसरों की कमी से त्रस्त है, इसलिए यह फैसला किया गया है कि ग्रेजुएट जवानों को 18 माह में प्रमोशन दिया जाएगा।

अब उन्हें अधिकारी बनने के लिए चार साल की लंबी ट्रेनिंग की जरूरत नहीं होगी।

आर्मी कैडर कॉलेज (एसीसी) प्रवेश योजना में भी बड़ा बदलाव किया गया है। अब तक जवानों को तीन साल पढ़ाई और एक साल ट्रेनिंग करनी पड़ती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान के शीर्ष नेताओं को मारने का निर्णय किसने लिया?

ट्रंप ने पहले यह कहा कि निर्णय सामूहिक निर्णय था, उसकी सरकार का, केवल उनका अकेले का निर्णय नहीं था

- इससे पहले, उन्होंने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ को मुख्य "प्रेरक" बताने का प्रयास किया और मंच पर उनके बगल में बैठे रक्षा सचिव को इंगित करके कहा, "पीट तुम सबसे पहले व्यक्ति थे, जिसने कहा था, ईरान को न्यूक्लियर हथियार प्राप्त नहीं होने देना चाहिए।"
- ट्रंप ने यह भी जताने का प्रयास किया कि उपराष्ट्रपति जे.डी. वांस प्रारंभ से ही ईरान के विरूद्ध सैन्य कार्यवाही के खिलाफ थे।
- इस सैन्य कार्यवाही में ट्रंप की ओर से सबसे बड़ी गलती हुई कि वे मान रहे थे कि वेनेज़ुएला की भांति ईरान पर भी वे कुछ दिनों में ही जीत हासिल कर लेंगे, उन्हें कतई उम्मीद नहीं थी कि ईरान इतना जोरदार जवाबी हमला करेगा तथा खाड़ी देशों को युद्ध में शामिल कर लेगा।
- शायद, एक नया समानान्तर कथानक प्रस्तुत करके ट्रंप विश्व को यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि वो तो शांति वार्ता के लिए तैयार हैं और थे।
- पर, अभी भी विश्व तो अमेरिका की पांच दिनों के लिए ईरान के ठिकानों पर बमबारी रोकने की घोषणा को संदेह की निगाह से देख रहा है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मार्च। मिडिल ईस्ट का संघर्ष चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गया, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाही शुरू करने के अपने फैसले को लेकर जांच के घेरे में आ गए हैं। देश के भीतर बढ़ते सवालों और विदेशों में असहज स्थिति के बीच, ट्रंप ने युद्ध के बढ़ने की जिम्मेदारी अपने रक्षा सचिव पीट हेगसैथ पर डाल दी और ईरानी ऊर्जा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमलों में अस्थायी विराम की घोषणा की।

सोमवार को टेनेसी में एक गोलमेज मीटिंग में बोलते हुए ट्रंप ने संकेत दिया कि हेगसेथ सैन्य कार्रवाई के शुरुआती समर्थकों में से एक थे। उन्होंने कहा, "पीट, मुझे लगता है कि आपने सबसे पहले कहा था कि "चलो इसे करते हैं, क्योंकि उन्हें परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते," उस समय हेगसेथ उनके बगल में बैठे थे। रक्षा सचिव शुरु से ही प्रशासन की युद्ध-संबंधी रणनीति का सार्वजनिक चेहरा रहे हैं, नियमित रूप से मीडिया को जानकारी दे रहे हैं और अभियान का बचाव कर रहे हैं।

हालांकि ट्रंप ने यह भी रेखांकित किया कि यह निर्णय एकतरफा नहीं था। उन्होंने कहा "मैंने पीट को फोन किया। मैंने जनरल केन को फोन किया। मैंने हमारे कई दिग्गजों से बात की", ट्रंप ने इस निर्णय को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ विचार-विमर्श का परिणाम बताया। इस फैसले को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, हमारे पास मध्य पूर्व में एक समस्या है और हम वहां जाकर एक बड़ी समस्या को खत्म कर दें।" युद्ध को लेकर ट्रंप के अपने स्पष्टीकरण काफी अस्पष्ट व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 24 मार्च। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की तबीयत मंगलवार को अचानक बिगड़ गई है। उन्हें दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोनिया गांधी को फेफड़े से संबंधित समस्या के कारण अस्पताल में दाखिल किया गया है।

- मंगलवार रात अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अस्पताल में मौजूद हैं।

उनके साथ उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी अस्पताल में मौजूद हैं। परिवार के सदस्य उनकी सेहत पर लगातार नज़र बनाए हुए हैं।

अस्पताल प्रशासन ने उनकी वर्तमान स्थिति को स्थिर बताया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)